ont>

Title: Need to develop Sitamarhi in Bihar as a tourist centre under 'Janki Circuit' plan − Laid.

श्री नवल किशोर राय (सीतामढ़ी): उपाध्यक्ष महोदय, भारत की संस्कृति आज भी विश्व के आर्काण का केन्द्र होने के साथ साथ प्रेरणादायक भी है। मेरा सौभाग्य है कि देश के आदर्श सीता-राम का संबंध मेरे संसदीय क्षेत्र से है। गत दशक के दौरान सरकार ने सीतामढ़ी से अयोध्या तक के बीच इस संस्कृति के स्मृति चिन्हों पुनौरा, जनकपुर (नेपाल) नागेश्वर स्थान, भैरवस्थान, हलेश्वर स्थान, पंथ पाखर आदि को विकसित करने के लिए जानकी सरकिट के रूप में पर्यटन विकास को सिद्धांत रूप में स्वीकृति भी दी थी। 1998 में बिहार राज्य के माननीय राज्यपाल जी द्वारा इस योजना का उल्लेख विधान सभा में अपने अभिभााण के दौरान भी किया था। राज्य सरकार द्वारा इस योजना का प्रारूप भी सरकार को गत् वार्ो में समर्पित कर दिया गया है। किंतु, इस योजना के क्रियान्वयन पर सरकार द्वारा अभी तक कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है। मेरा सरकार से आग्रह है कि इस योजना को कियान्वित करने के लिए पर्यटन के राट्रीय मानचित्र में जानकी सर्किट सीतामढी को स्थान देने के लिए अविलम्ब निर्णय करे। इस योजना के क्रियान्वयन से मात्र स्थानीय भौतिक विकास ही नहीं, आज की सबसे बड़ी आवश्यकता नैतिकता के ह्रास को भी रोकने में मदद मिलेगी।